Title: Regarding order of the Government of Taliban to destroy the ancient Buddhist and other statues in Afghanistan.

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात की ओर दिलाना चाहता हूं। अफगानिस्तान में सत्ताधारी तालिबान सरकार ने अपने देश में हजारों साल पुरानी सभी मूर्तियों और बुतों को तोड़ने का आदेश दिया है। UNESCO Chief Koichiro Matsuura, on Wednesday, urged Taliban to reconsider this decision. He said:

> "Carrying out this decision would be a real cultural disaster that will cause irreparable harm to the heritage of exceptional value. This heritage is central to Afghanistan's memory and identity and is a landmark in the history of other civilisations."

Buddhists in Japan and Thailand have also called on the Taliban to re-consider its decision. It is reported in the newspaper:

> "Sri Lanka has launched a major diplomatic offensive to save the historic Buddhist statues. Foreign Minister, Lakshman Kadirgamar, asked his envoys in India, Thailand, Myanmar, and Nepal to have urgent consultations to workout a strategy to deal with the threat."

अध्यक्ष महोदय, श्रीलंका की सबसे बड़ी मुस्लिम पार्टी श्रीलंका मुस्लिम कांग्रेस ने भी तालिबान सरकार से अफगानिस्तान में भगवान बुद्ध की हजारों साल पुरानी प्रतिमाओं को ध्वस्त न करने का अनुरोध किया है। इसी प्रकार अफगानिस्तान में रहने वाले बहुत से मुसलमानों ने और उससे पहले वहां पर Hamid Karzi, the Foreign Minister in the ousted Burhanuddin Rabbani said:

> "The Statues are no longer part of religion, but are now part of the country's heritage and history."

और इसलिये उनको बचाना चाहिये क्योंकि 2000 साल पुरानी दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध की मूर्ति को तोड़ने का खतरा पैदा हो गया है। मैं चाहता हूं कि सारा सदन मिलकर इस बात पर चिन्ता प्रकट करे और वहां की सरकार से कहा जाये कि भगवान बुद्ध की इस मूर्ति को न तोड़ा जाये। यह हजारों साल पुरानी विश्व की धरोहर है, इसलिये इसे बचाया जाये।

SHRI SURESH KURUP (KOTTAYAM): Sir, this House should condemn the *fatwa* issued by the Taliban to destroy the ancient Buddhist statues in Afghanistan. These statues are a brilliant blend of ancient Persian, Greek, Gandhara and Indian aesthetic traditions. Besides, this is a direct attack against the sentiments of the vast Asian population. India, being one of the oldest living civilisations in the world, should take a lead in resisting this movement.

I do not know whether this Government which protects the religious bigots in this country will be able to do that. These people who destroy religious places in India are the counterparts of Taliban here.

SHRI RAMESH CHENNITHALA (MAVELIKARA): Sir, the *fatwa* issued by the Taliban to destroy the ancient Buddhist statues is a very shocking incident. This should be taken very seriously. The Government should take up the issue with the Government of Afghanistan to stop any kind of demolition of the Buddhist statues. These are the symbols of our ancient tradition. Although it has come out in all the newspapers, it is unfortunate that the Government did not take cognizance of this issue. This is a very serious issue. This is agitating not only the minds of thousands and thousands of Buddhists but people belonging to other religions in this country. Destruction of the ancient monuments and statues will create ill-will among the people of our country.

Sir, through you, I request the Government to take up the issue very seriously and do the needful. The Minister of Parliamentary Affairs is present in the House. The Government should give an assurance to the Buddhists and other people who are really painful to know about this incident....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are not allowing the Government to speak.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions)**

SHRI SURESH KURUP : This House should condemn it....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let us hear the reply of the Government.

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : अध्यक्ष जी, बौद्ध प्रतिमा की विडम्बना होना, इस पर पूरा सदन चिंतित है, इस पर भारत सरकार भी निश्चित रूप से चिंतित है। यूनेस्कों की ओर से यह कहा गया है कि यह केवल एक बौद्ध की प्रतिमा है, ऐसा नहीं है, यह मानवता की एक अनमोल

इस प्रकार की चीज है कि जिसका किसी को भी विद्रूप नहीं करना चाहिए और इसलिए भारत

*Not Recorded.

सरकार ने यह निश्चित किया है कि अंतरराट्रीय स्तर पर जहां-जहां भी हो, हम यह विाय उठाने का जरूर प्रयत्न करेंगे। इस पर एक अंतरराट्रीय मत तैयार करेंगे और इस तरह से इसे रोकने में पूरी शक्ति लगायेंगे। क्योंकि हम सब जानते हैं कि यह किसी एक ऐसे देश में है जहां पर इन चीजों को नियंत्रण करना बड़ा कठिन है। वह अंतरराट्रीय समुदाय से उतना मिला नहीं हैं, जितना मिलना चाहिए। लेकिन जिन-जिन चीजों पर यूनाइटेड नेशंस में जिन-जिन अंतरराट्रीय संस्थाओं में इस विाय को उठाया़ जायेगा और इसकी सुरक्षा की व्यवस्था करने का जितना प्रयास होगा भारत सरकार जरूर करेगी।

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (बालाघाट) : सर, हमने भी नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : आपका मैटर प्रीविलेज कमेटी में भेज दिया है, आप उसे यहां नहीं उठा सकते।

â€¦(व्यवधान)

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : सर, तालिबान को वार्निंग देनी चाहिए।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह प्रीविलेज कमेटी में पैंडिंग है, आप इसे यहां कैसे उठा सकते हैं। आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am not allowing you since the matter is pending before the Privileges Committee.

श्री राम नरेश त्रिपाठी (सिवनी) : सर, हमने भी नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : आपने नोटिस दिया है। लेकिन यह प्रीविलेज मैटर है। इसे प्रीविलेज कमेटी में उठाइये। आप इसे यहां कैसे उठा सकते हैं।

SHRI BHAN SINGH BHAURA (BHATINDA): Sir, I would like to mention a matter of urgent public importance, namely discrimination against the regional languages on Doordarshan Channel....(*Interruptions*)

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : सर, हमें बोलने का मौका दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय : आप ऐसे इसे नहीं उठा सकते। आप मेरे कमरे में आ जाइये, हम आपको बतायेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम आपको ऐसे नहीं बोलने देंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : त्रिपाठी जी, आप भी बैठ जाइये।

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक) : अध्यक्ष जी, मैंने भी नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : आपने नोटिस दिया है तो हम आपको भी बुलायेंगे।